



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-19042025-262539  
CG-DL-E-19042025-262539

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1764]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 17, 2025/चैत्र 27, 1947

No. 1764]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 17, 2025/CHAITRA 27, 1947

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2025

का.आ. 1797(अ).— केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1), उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नगर पक्षी अभयारण्य, चंडीगढ़ के आसपास एक पारिस्थितिकी संवेदी जोन घोषित करने के लिए भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में का.आ. 69(अ), तारीख 10 जनवरी 2017 द्वारा एक अधिसूचना जारी की गई थी;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त अधिसूचना का संशोधन करना लोकहित में आवश्यक और समीचीन है;

और पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 का उपनियम (4) यह उपबंध करता है कि जब भी केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि ऐसा करना लोकहित में है, तो इसके लिए पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के खंड (क) के अधीन नोटिस की अपेक्षा से अभिमुक्ति दी जा सकती है;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि अधिसूचना संख्यांक का.आ. 69(अ), तारीख 10 जनवरी 2017 में संशोधन करने के लिए पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के खंड (क) के अधीन नोटिस की अपेक्षा से अभिमुक्ति देना लोकहित में है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (4) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1), उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में का.आ. 69(अ), तारीख 10 जनवरी 2017 को प्रकाशित अधिसूचना, में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:-

उक्त अधिसूचना में, पैरा 5 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखे जाएंगे, अर्थात्: -

**“5. माँनीटरी समिति.** – केन्द्रीय सरकार एक माँनीटरी समिति का गठन करती है, जो निम्नलिखित व्यक्तियों से मिलकर बनेगी, अर्थात्:-

- |        |   |                   |
|--------|---|-------------------|
| (i)    | मुख्य वन्यजीव वार्डन, संघ राज्यक्षेत्र चंडीगढ़  | - अध्यक्ष, पदेन;  |
| (ii)   | मुख्य वास्तुकार, संघ राज्यक्षेत्र चंडीगढ़   | - सदस्य, पदेन;    |
| (iii)  | मुख्य अभियंता, संघ राज्यक्षेत्र चंडीगढ़   | - सदस्य, पदेन;    |
| (iv)   | मुख्य अभियंता, नगर निगम संघ राज्यक्षेत्र चंडीगढ़  | - सदस्य, पदेन;    |
| (v)    | निदेशक ग्रामीण विकास, संघ राज्यक्षेत्र चंडीगढ़  | - सदस्य, पदेन;    |
| (vi)   | सदस्य सचिव, चंडीगढ़ प्रदूषण नियंत्रण समिति, संघ राज्यक्षेत्र चंडीगढ़  | - सदस्य, पदेन;    |
| (vii)  | पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों का एक प्रतिनिधि जिसे संघ राज्यक्षेत्र चंडीगढ़ सरकार द्वारा प्रत्येक तीन वर्ष के लिए नामनिर्दिष्ट किया जाएगा। | - सदस्य;          |
| (viii) | पारिस्थितिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ जिसे संघ राज्यक्षेत्र चंडीगढ़ सरकार द्वारा प्रत्येक तीन वर्ष के लिए नामनिर्दिष्ट किया जाएगा।                      | - सदस्य;          |
| (ix)   | राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्य, और  | - सदस्य, पदेन;    |
| (x)    | उप वन संरक्षक   | सदस्य-सचिव, पदेन। |
- (2) माँनीटरी समिति, वास्तविक स्थल-विनिर्दिष्ट स्थितियों के आधार पर उन क्रियाकलापों की संवीक्षा करेगी, जो कि भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1533 (अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, इसके पैरा 4 के अधीन दी गई सारणी में निर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरणीय अनुमति के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राज्य पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण को निर्दिष्ट किया गया है।
- (3) ऐसे क्रियाकलाप, जो उप-पैरा (2) में निर्दिष्ट अधिसूचना की अनुसूची में शामिल नहीं है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर आते हैं, इसके पैरा 4 की सारणी में प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, की संवीक्षा माँनीटरी समिति

द्वारा वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट स्थितियों के आधार पर की जायेगी और इन्हें संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।

- (4) मॉनीटरी समिति के सदस्य सचिव या कलेक्टर या उप वन संरक्षक इस अधिसूचना के उपबंधों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन शिकायत दर्ज करने के लिए सक्षम होंगे।
- (5) मॉनीटरी समिति मामले-दर-मामले के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर करते हुए अपने विचार-विमर्श में समिति की सहायता के लिए विभाग के प्रतिनिधि या विशेषज्ञ, उद्योग संगमों के प्रतिनिधि या संबंधित पणधारियों को आमंत्रित कर सकती है।
- (6) मॉनीटरी समिति प्रत्येक वर्ष के 31 मार्च तक की अवधि की अपने क्रियाकलापों की वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट उस वर्ष के 30 जून तक राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को **उपाबंध-V** में निर्दिष्ट रूपविधान में प्रस्तुत करेगी।
- (7) केंद्रीय सरकार अपने कार्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए मॉनीटरी समिति को लिखित रूप में ऐसे निदेश दे सकती है, जैसा वह उचित समझे।”

[फा. सं. 25/58/2014-ईएसजेड-आरई]

डॉ. सु. केरकेट्टा, वैज्ञानिक “जी”

**टिप्पण.-** मूल अधिसूचना, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप खंड (ii) में तारीख 10 जनवरी 2017 को का.आ. 69(अ) द्वारा प्रकाशित की गई थी।

## MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 17th April, 2025

**S.O. 1797(E).**— WHEREAS the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, issued a notification to declare an Eco Sensitive Zone around City Bird Sanctuary, Chandigarh in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), *vide* S.O. 69(E), dated the 10<sup>th</sup> January, 2017;

AND WHEREAS the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to amend the said notification;

AND WHEREAS sub-rule (4) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986 provides that whenever it appears to the Central Government that it is in the public interest to do so, it may dispense with the requirement of notice under clause (a) of sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986;

AND WHEREAS the Central Government is of the opinion that it is in the public interest to dispense with the requirement of notice under clause (a) of sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986 for amending the notification number S.O. 69(E), dated the 10<sup>th</sup> January, 2017;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (4) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Environment and Forest and Climate Change, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), *vide* S.O. 69(E), dated the 10<sup>th</sup> January, 2017; namely: -

In the said notification, for paragraphs 5, the following paragraph shall be substituted, namely: -

“5. **Monitoring Committee.** – (1) The Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, consisting of the following persons, namely :-

- |        |  |  |
|--------|--|--|
| (i)    | Chief Wildlife Warden, Union territory of Chandigarh   | – Chairman, <i>ex officio</i> ;            |
| (ii)   | Chief Architect, Union territory of Chandigarh   | –Member, <i>ex officio</i> ;               |
| (iii)  | Chief Engineer, Union territory of Chandigarh  | –Member, <i>ex officio</i> ;               |
| (iv)   | Chief Engineer, Municipal Corporation Union territory of Chandigarh  | –Member, <i>ex officio</i> ;               |
| (v)    | Director Rural Development, Union territory of Chandigarh  | –Member, <i>ex officio</i> ;               |
| (vi)   | Member Secretary, Chandigarh Pollution Control Committee, Union territory, Chandigarh  | –Member, <i>ex officio</i> ;               |
| (vii)  | A representative of Non-governmental Organisations working in the field of environment to be nominated by the Government of Union territory Chandigarh from time to time every three years | –Member;                                   |
| (viii) | One expert in the area of ecology and environment to be nominated by the Government of Union territory of Chandigarh from time to time every three years                                   | –Member;                                   |
| (ix)   | Member of State Biodiversity Board   | –Member, <i>ex officio</i> ;<br>and        |
| (x)    | Deputy Conservator of Forest   | - Member Secretary,<br><i>ex officio</i> . |
- (2) The Monitoring Committee shall, based on the actual site-specific conditions, scrutinise the activities covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests, *vide* S.O. 1533 (E), dated the 14<sup>th</sup> September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities specified in the Table under paragraph 4 thereof, and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change or the State Environment Impact Assessment Authority, as the case may be, for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (3) The activities not covered in the Schedule to the notification referred to in sub-paragraph (2) and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.
- (4) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the Collector or the Deputy Conservator of Forests shall be competent to file complaint under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986, against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (5) The Monitoring Committee may invite representative or expert from the Department, representative from the industry associations or the stakeholders to assist the committee in its deliberations depending on the requirements on case to case basis.
- (6) The Monitoring Committee shall submit the action taken report annually of its activities for the period up to the 31<sup>st</sup> March of every year to the Chief Wildlife Warden of the State by the 30<sup>th</sup> June of that year in proforma specified in **Annexure-V**.
- (7) The Central Government may give such directions in writing, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.”.

[F. No. 25/58/2014-ESZ/RE]

Dr. S. KERKETTA, Scientist “G”

**Note.--** The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), *vide* notification number S.O. 69(E), dated the 4<sup>th</sup> January, 2017.